VPSEC/R/P/24/00012

स्पीड पोस्ट

भारत के उप -राष्ट्रपति का सचिवालय

SECRETARIAT OF THE VICE- PRESIDENT OF INDIA

नई दिल्ली -110011 (भारत)

NEW DELHI – 110011 (INDIA

TEL.: 011-23016344

फाइल संख्या वीपीएस-55/1-आरटीआई/88/2023-2024 **19 फरवरी, 2024**

सेवा में,

श्री नरेंद्र कुमार,
10-1933, राजगढ़ विस्तार
गांधी नगर, दिल्ली-110031

विषय:- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सूचना हेतु।

महोदय,

उक्त विषय में कृपया आपका दिनांक 02.04.2024 का आर टी आई आवेदन दिनांक 03.02.2024 को इस सचिवालय में प्राप्त हुआ है, आपने अपने आवेदन की जानकारी हेतु निवेदन किया है।

इस संदर्भ में आपको सूचित किया जाता है किया जाता है कि आपका दिनांक 5.01.224 एवं 27.01.224 का आवेदन ईमेल के द्वारा इस सचिवालय में प्राप्त हुआ था। **जो कि इस सचिवालय से संबन्धित नहीं था**, जिसे उप-राष्ट्रपति सचिवालय के दिशा-निर्देश के अनुसार फाइल कर दिया गया है।

अतः आपको सूचित किया जता है कि सचिवालय के दिशा-निर्देश के अनुसार पुनरावृति आवेदनों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती तथा उन्हें फाइल कर दिया जाता है और फ़ाइल आवेदनों की कोई पावती नहीं भेजी जाती। सचिवालय के दिशा-निर्देश का लिंक निम्नलिखित है।

https://vicepresidentofindia.nic.in/sites/default/files/rti%20hindi.pdf

अतः आपको परामर्श है कि आप इस विषय में सीधे संबन्धित राज्य/मंत्रालय/विभाग से संपर्क करें।

SPEED POST
22/2/24

(राजेश कुमार शर्मा)
केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी
rticell-vps@nic.in

RTI No. 90 (1)

सूचना अधिकार 2005 आवेदन पत्र

सेवा में,

श्रीमान CPIO
कार्यालय उपराष्ट्रपति (Vice President)
6 मौलाना आजाद रोड नई दिल्ली-11

विषय – सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत निम्न सूचना उपलब्ध करायें:—

बिन्दु सं० (1) शिकायत कर्ता द्वारा via e-mail Vice President कार्यालय को प्रेषित दिनाँक 25/1/24 (9:26 AM), 26/1/24 को 5:48 PM व दिनाँक 27/1/24 को 2:44 PM पर साक्ष्यों सहित दर्ज शिकायतों [100 वर्ष पुरानी पशुओं पर क्रूरता रोकने वाली संस्था DSPCA तीस हजारी दिल्ली को बंद होने से बचाने सम्बन्धी] पर कार्यालय द्वारा लिया गया संज्ञान तथा जाँच कार्रवाई हेतु शिकायत हस्तांतरण का कार्यालय Dispatch डायरी सं० की सूचना प्रमाणित प्रति दें शिकायत की जाँच कार्रवाई का ATR प्रमाणित प्रति दें स्वयं मेरी शिकायतें वर्तमान में जिस कार्यालय में उपलब्ध है उस कार्यालय व सम्बन्धित अधिकारी का नाम पद कार्यालय पते की सूचना उपलब्ध करायें। [e-mail शिकायत छायाप्रतियाँ संलग्न हैं।)

President's Secretariat
Dy. No. 342
Date 3/2/24
New Delhi

⇒ RTI आवेदन का शुल्क ₹10/- IPO सं० 47F 373318 की मूलप्रति संलग्न है।

⇒ RTI मांगी सूचनाएं अन्य विभाग से सम्बन्धित होने पर RTI धारा 6(3) का प्रयोग करें।

⇒ सभी पत्राचार में केवल हिन्दी भाषा का प्रयोग करें।

आवेदक

Narender Kumar
Alias
K. NARENDER

10-1933, Rajgarh Vistaar
Gandhi Nagar, Delhi-31
(RTI Activist & Animal Lover)

स्थान – दिल्ली
दिनाँक – 2/02/2024.

05/02/24
SP

(2)

Gmail

Narender Kumar <kumarnarenderofficial@gmail.com>

Fwd: विषय= देश की प्रथम पशुओं पर क्रूरता रोकने वाली संस्था दिल्ली स्थित 100 वर्ष से अधिक पुरानी (पंजीकृत1860act)संस्था DSPCA(Delhi Society of prevention cruelty to animals) तीस हजारी दिल्ली को बंद होने से बचाने की अपील तथा इस संस्था में घोर भ्रष्ट्राचार, अवैध वसूली गिरोह संचालक Dr Rakesh Singh अन्य सहयोगी लोकसेवकों द्वारा किए अवैध वसूली,भ्रष्ट्राचार को छिपाने, हेतु dspca संस्था को बंद करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई हेतु शिकाय

2 messages

Narender Kumar <kumarnarenderofficial@gmail.com> Thu, Jan 25, 2024 at 9:26 AM
To: narendramodi1234@gmail.com, connect@mygov.nic.in, ddo-vps@nic.in, pscell-vps@nic.in, us.petitions@rb.nic.in, arjun.munda@gov.in, secy-agri@gov.in

[अनुरोध= शिकायत जांच हेतु विकास आयुक्त कार्यालय को हस्तांतरित बिल्कुल नहीं करे क्योंकि विकास आयुक्त कार्यालय में 2वर्षों से प्रेषित शिकायतें जांच करवाई नहीं करके दबा कर रखी गई है]

माननीय प्रधान मंत्री जी

देश की प्रथम पंजीकृत संस्था 1928 DSPCA (independet body)जिसको देश के प्रथम राष्ट्रपति महामहिम श्री डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद द्वारा पुरस्कृत किया गया है संस्था मुख्य उद्देश्य सभी बीमार लावारिस पशुओं,जानवरो का ईलाज एवम् रक्षा करना है DSPCA society act मे 1928 की पंजीकृत संस्था है।

DSPCA संस्था के पास अरबों रुपए की अचल सम्पत्ति दरियागंज ,भामा शाह रोड किंग्सवे कैंप एवम् बुलेवर्ड रोड दिल्ली पर स्थित है।

DSPCA संस्था तीस हजारी दिल्ली को सरकार से करोड़ों रुपए वार्षिक अनुदान राशि भी प्राप्त भी मिलती है।

=वर्ष 2018 में dspca संस्था में बतौर सचिव Dr Rakesh Singh(पशु चिकित्सक) की तैनाती के बाद इस सचिव द्वारा dspca में अन्य विभाग के भर्ती MTS,on Contact, daily wages कर्मी जो कई वर्षों से dspca में तैनात किए है इन कर्मियों को साथ मिलाकर अपने कुछ सहयोगी Pawan Chopra dy dir HQ,Anil Chander

(3)

mishra, CH jairaju, Ajay,pal, Basant Kumar, Dinesh मीना आदि के सहयोग से पशु क्रूरता करने वाले वाहनों का चालान न कर के पशु व्यापारियों से लाखों रुपए साप्ताहिक अवैध वसूली का एकत्र कर विकास मंत्रायल, विकास आयुक्त कार्यालय को हिस्सा पंहुचा कर खुले आम भ्रष्ट्राचार किया जा रहा है।

=Dspca संस्था में पशुओं के हरे चारे, दवा मे अनियमितता की जा रही है ।

=Dr Rakesh Singh अवैध वसूली,भ्रष्ट्राचार, के सबूत CCTV camera फुटेज को उपलब्ध नहीं कराई गई है।

=Dspca द्वारा पकड़ी पशु वाहनों का कोर्ट में नाममात्र का fine कराकर लाखों रुपए अवैध वसूली की जा रही है ।

=Dr Rakesh Singh के द्वारा पूर्व तय योजना बनाकर अवैध वसूली गिरोह का गठन कर अवैध वसूली करके अवैध वसूली का लाखों रुपए साप्ताहिक एकत्र कर विकास मंत्रायल, विकास आयुक्त कार्यालय को हिस्सा पंहुचा कर पशुपालन निदेशक पद पर अपना promotion फर्जी दस्तावेजों का अवैध वसूली गिरोह के सदस्य Anil Chander mishra, CH jairaju, Pawan Chopra dy dir ad-hoc आदी से मिलकर करा लिया है ।

A/H director पद पर dr Rakesh Singh का may 22 से जुलाई 2022 में हुआ, फर्जी Dy director Admin AH Anil Chander mishra ने विजिलेंस celerence के लिए रिकमेडेशन 19/5/2022 को जारी किए तथा Pawan Chopra dy dir HQ/,vig द्वारा vigilence clearence पत्र जारी किया जिसने लिखा गया की Dr Rakesh Singh के विरुद्ध वर्तमान में कोई vigilence मामला,कोई शिकायत विचाराधीन नहीं है जबकि 14अक्टूबर 2022 को Dr Rakesh Singh के विरुद्ध यौन उत्पीडन मामले की सुनवाई LG ऑफिस में हुई।

=Dr Rakesh Singh जबरन dspca विभाग में सचिव पद पर तैनात होकर dspca के कर्मियों का प्रयोग कर अपना अवैध वसूली गिरोह संचालन कर लाखों रुपए साप्ताहिक एकत्र कर विकास मंत्रायल, विकास आयुक्त कार्यालय को रकम का हिस्सा देकर कर रहे घोर भ्रष्ट्राचार की शिकायत DSPCA के वर्तमान तैनात कर्मियों द्वारा 30/10/2023 को CM,CS, LG एवम् विकास विभाग HQ को दर्ज कराई गई परंतु शिकायत को विकास आयुक्त तैनात अवैध गिरोह के सदस्य pawan Chopra dy dir द्वारा दबा दिया है।

= DSPCA संस्था की managing committee का मामला माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली Indermohan nagpal v/s Dspca में विचार अधीन है जिसकी अगली सुनवाई 26 फरवरी 2024 है।

(4)

==Dr Rakesh Singh आदि के भ्रष्ट्राचार , अवैध वसूली के विरुद्ध एक मामला तीस हजारी कोर्ट 37 से अब माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली में विचाराधीन है जिसकी अगली सुनवाई 29 फरवरी 2024 है।

DSPCA संस्था में घोर भ्रष्ट्राचार, अवैध वसूली गिरोह संचालन कर Dr Rakesh Singh,Anil Chander mishra, CH jairaju, Pawan Chopra dy dir ad-hoc, basant Kumar आदी सभी लोकसेवकों द्वारा अपने विरुद्ध दर्ज शिकायतों पर जांच कार्रवाई से बचने हेतु इस संस्था dspca को बंद करने की पूर्व तय योजना अनुसार प्रयास कर रहे हैं।

मान्यवर जी ने विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त विषय की सतर्कता निदेशालय(DOV)द्वारा निष्पक्ष जांच कर कर भ्रष्टाचार ,अवैध वसूली में शामिल सभी लोकसेवकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का आपसे अनुरोध है ताकि पशुओं की सेवा करने वाली DSPCA संस्था तीस हजारी दिल्ली को बंद होने से बचाने का भी शिकायत कर्ता का आप से विनम्र निवेदन है।

==========
==========

=SPL NOTE= इस गम्भीर शिकायत की जांच को विकास आयुक्त कार्यालय 5/9 अंडर हिल रोड दिल्ली कार्यालय को प्रेषित ना करें क्योंकि विकास आयुक्त कार्यालय में 2वर्षों से दर्ज कराई शिकायतों पर कोई भी संज्ञान लेकर कोई भी जांच वरवाई नहीं की गई है।

==========

संलग्न दस्तावेज=

1=अवैध वसूली,भ्रष्टाचार, के विरुद्ध dspca कर्मियों द्वारा की गई शिकायत 30/10/2023 छाया प्रति।

2=high court Delhi वाद का सबूत।

3= high court Delhi Inder mohan V/S dspca I

4=Dr Rakesh Singh के dir पद पर promotion के फर्जी दस्तावेज 19/5/2022 की छाया प्रति।

5=DSPCA के विरुद्ध भ्रष्ट्राचार शिकायत AWBI द्वारा दिनांक की प्रति।

6=dspca pio RTI F. DSPCA /v/RTI/2023/084/I .D =382/720,dated 8/1/2024 जिसमें DSPCA को बंद करने का लिखा गया है।

7=DSPCA का misuse of govt funds शिकायत 31/3/2015 की जांच संबंधित जानकारी।

8=MM कोर्ट तीस हजारी दिल्ली को दर्ज शिकायत 1/11/22 प्रति।

(5)

With Regards
Narender Kumar Alias K. Narender
[Animal Lover and RTI activist]
10=1933, Rajgarh vistaar, Gandhi Nagar Delhi 31

(6)

Gmail

Narender Kumar <kumarnarenderofficial@gmail.com>

Fwd: विषय= देश की प्रथम पशुओं पर क्रूरता रोकने वाली संस्था दिल्ली स्थित 100 वर्ष से अधिक पुरानी (पंजीकृत1860act)संस्था DSPCA(Delhi Society of prevention cruelty to animals) तीस हजारी दिल्ली को बंद होने से बचाने की अपील तथा संस्था में घोर भ्रष्ट्राचार, अवैध वसूली गिरोह संचालक Dr Rakesh Singh अन्य सहयोगी लोकसेवकों द्वारा किए अवैध वसूली,भ्रष्ट्राचार को छिपाने, हेतु dspca संस्था को बंद करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हेतुशिकायत=

1 message

Narender Kumar <kumarnarenderofficial@gmail.com> Fri, Jan 26, 2024 at 5:48 PM
To: narendramodi1234@gmail.com, connect@mygov.nic.in, ddo-vps@nic.in, us.petitions@rb.nic.in, arjun.munda@gov.in, pscell-vps@nic.in, secy-agri@gov.in, agrimin@gmail.com

[अनुरोध= शिकायत जांच हेतु विकास आयुक्त कार्यालय को हस्तांतरित बिल्कुल नहीं करे क्योंकि विकास आयुक्त कार्यालय में 2वर्षों से प्रेषित शिकायतें जांच करवाई नहीं करके दबा कर रखी गई है]

माननीय प्रधान मंत्री जी

देश की प्रथम पंजीकृत संस्था 1928 DSPCA (independet body)जिसको देश के प्रथम राष्ट्रपति महामहिम श्री डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद द्वारा पुरस्कृत किया गया है संस्था मुख्य उद्देश्य सभी बीमार लावारिस पशुओं,जानवरो का ईलाज एवम् रक्षा करना है DSPCA society act मे 1928 की पंजीकृत संस्था है।

DSPCA संस्था के पास अरबों रुपए की अचल सम्पत्ति दरियागंज ,भामा शाह रोड किंग्सवे कैंप एवम् बुलेवर्ड रोड दिल्ली पर स्थित है।

DSPCA संस्था तीस हजारी दिल्ली को सरकार से करोड़ों रुपए वार्षिक अनुदान राशि भी प्राप्त भी मिलती है।